



भारत का उत्तम पत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

त. 48]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 20, 1992/फाल्गुन 30, 1913

No. 48] NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 20, 1992/PHALGUNA 30, 1913

Separate Paging Is given to this Part in order that It may be filed as a separate compilation

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि पहले अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

वाणिज्य मंत्रालय

(आयात व्यापार नियन्त्रण)

सार्वजनिक सूचना नं. 282 शाई टी गो (पी.एन.)/90--93

नई दिल्ली, 20 मार्च, 1992

विषय :— 120,000,000 आमद्याई शिलिंग के आमद्याई पूँजीगत माल केडिट, 1991 के अंतर्गत निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के आयातों के लिये लाइसेंस जारी के मर्याद में।

फाइल सं. शाई पी. सी. 23(87)/90--93 :— 120,000,000 आमद्याई शिलिंग के लिये आमद्याई पूँजीगत माल केडिट, 1991, जिस पर भारत सरकार और आमद्याई को मरकार के बीच 20-12-91 को हस्ताक्षर किये गये थे, के अंतर्गत निजी क्षेत्र और सार्वजनिक क्षेत्र के लिये लाइसेंस जारी, जो इस सार्वजनिक सूचना के परिणाम में दी गई है, का सूचनार्थी प्रधिमनियंश किया जाता है।

डॉ. अ.र. मेहता, मूल्य नियंत्रक,
आयात-नियंत्रण।

वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 282-शाई सी.सी.
(पी.एन.)/90--93 दिनांक 20-3-92 का परिषिक्षित
नियी और सार्वजनिक क्षेत्र के लिये लाइसेंस की जारी आमद्याई पूँजीगत माल केडिट, 1991 के अंतर्गत आयात।

लाइसेंस 12 महीने की वैधता श्रवणिकों के लिये जारी किये जायेंगे लेकिन लाइसेंस बीमा-भाइ-नायक और भारत आधार पर कर्म आईर आमद्याई सार्वजनिकताओं को प्रत्युत्त नहीं कर दिये जायेंगे और उनकी प्रतियोगी वित्त संबंधालय, प्राधिक गार्य विभाग, नई दिल्ली को आयात लाइसेंस जारी करने की जारी रखेंगे जो वार. महीने के प्रंदर्श भेज दी जायेंगे। कर्म आईर शब्द का अभिभाव उन भवित्व आदेश में है जो भारतीय लाइसेंसधारी द्वारा आमद्याई सम्पाद्य करता है जिधियत पुष्ट करके उगे भेजा जाए। अधिकारी वह ऐसी काय संविदा हो जिस पर भारतीय आयातक और विदेशी सालाई कर्ता वीरों द्वारा विधिवत् हस्ताक्षर किया गया हो गहर कर्म आईर को 4 महीने की श्रवणिकों के लिये लाइसेंस जारी है तो लाइसेंसधारी मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रण (पी.एन.) शाई पूँजीगत को जैसी भी स्थिति हो, आईर करने की श्रवणिकों विधान के लिये एक प्रस्ताव प्रस्तुत करें जिसके माध्यम यह सार्वेक्षण भी दे कि आमद्याई वैधता श्रवणिकों के दौरान आईर कर्म नहीं दिया गया। आईर दो वी अधिकारी घटाने के एसे अनुरोध पर लाइसेंसिंग प्राधिकारियों द्वारा प्रत्येक मासमे के गुणवत्त्व के अनुगाम निचार

किया जावेगा, जो आगे 2 महीने की अवधिकालम अवधि बढ़ाने को मंजूरी दे सकते हैं। साथापि यदि, आयात लाइसेंस जारी करने की तारीख से (अ.) 6 महीने से आगे समय बढ़ाने की मांग हो तो लाइसेंसिंग प्राधिकारी ऐसे प्रस्ताव को आर्थिक कार्य विभाग, (ई ई सी-IV अनुभाग), विस मंत्रालय, नई दिल्ली को भेज सकते हैं। “एस” और “एट” आगे लाइसेंस कोडम का लाइसेंस संस्था के बाद पहले और दूसरे प्रथम में उल्लेख किया जाये। सभी पोत परिवहन दस्तावेजों में सही लाइसेंस कोड लिखे जायें। इसके साथ ही रुपया जमा करते समय आरंभीय बैंक को भेजे गये “एस” फार्म में भी इसे लिखा जायें।

2. केवल आस्ट्रियाई मूल का पूंजीगत माल ही केडिट के अंतर्गत वित्त पोषण के योग्य है।

3. लाइसेंस भारत से प्रेषण के लिये बैंक नहीं होगा आस्ट्रियाई संपादिकारियों को भुगतान केवल नीचे दिये गये पैराग्राफ 6-10 में उल्लिखित कियाविष्ट के अनुसार किया जायेगा।

4. भारतीय आयातक और आस्ट्रियाई संभरण के बीच सफ्टाई की संविदा में इन लाइसेंसिंग शर्तों में दी गई प्रक्रियाओं के अनुसार आस्ट्रियाई पूंजीगत माल क्षण, 1991 में वित्तपोषण किये जा रहे आयात की व्यवस्था होनी चाहिए और इसे भारत सरकार की मंजूरी मिलती चाहिए। आयातक इस शर्त को संभरकों को सुनित करने में विशेष ध्यान दें और सफ्टाई संविदा में इस संबंध में खण्ड भी शामिल करें। इसके अलावा वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली से पहले मंजूरी लिये बैंक अनुमोदित आवेदों को रह नहीं किया जाए।

5. संविदा का मूल्य केवल आस्ट्रियाई शिल्पियों में ही विद्या जाए। संविदा में घोमतौर पर पोत परिवहन दस्तावेज प्रस्तुत करने पर आस्ट्रियाई पूंजीगत सामान क्षण, 1991 में नकद भुगतान की व्यवस्था होनी। किसी भी प्रकार की प्रक्रियत फर्य निष्पादन गारंटी के लिये संभरकों को बैंक गारंटी देने के लिये कहु जा सकता है।

6. संविदा के समाप्त होने के तुरंत बाद आयातक को संविदा/सालाई आईर की 5 (पाँच) फोटोटेट या प्रमाणित प्रतियां देनी होंगी जिसके साथ आयात लाइसेंस, यदि कोई हो, की दो फोटो स्टेट प्रतियां भी साथ लगानी होंगी, अथवा विदेशी मुद्रा संस्कृति लगाकर विस मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (एस ई सी-IV अनुभाग) को भेजनी होंगी। आयातक को अनुबन्ध-1 (सीन प्रतियों में) में दिये गये बैंक के अनुसार भी सूचना देनी होंगी।

7. आस्ट्रिया से आयात के लिये सार्वजनिक थ्रैश के उपकरणों और भारत सरकार को छोड़कर कम्पनियों और संस्थानों के मामले में समाप्त हुई संविदाओं के लिये आयातक को क्लोकटर और स्टेम्पस द्वारा विधिवत प्रधिनियित नियार्थित फार्म (अनुबन्ध-2) में अनुमोदित अनुसूचित बैंक से एक बैंक गारंटी देनी होगी। बैंक गारंटी संविदा की राशि के समकक्ष रुपये की राशि के अनुसार होनी चाहिए जिसके लिये साथ पत्र तथा ब्याज और धन्य प्रभारों की मांग की गई है। परिवर्तन की दर राजस्व विभाग द्वारा अधिसूचित भी गई है। विनियम दर के अनुसार होगी जो कि आयात लाइसेंस जारी करने की तारीख अथवा आयात लाइसेंस में उल्लिखित तारीख को विद्यमान दर के हिसाब से होगी।

8. यदि संविदा दस्तावेज/सल्लाई आईर प्राधिकार पत्र की वैध अवधि के अन्वर पूरा नहीं किया जाता है तो आयातक वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (ई ई सी-IV अनुभाग) से प्राधिकार पत्र की वैधि समाप्त होने से पहले प्राधिकार पत्र की वैधि में उपयुक्त बृद्धि के लिए सुप्तकर्ता कर सकता है। ऐसे अनुरोध के साथ पुनर्वैध आयात लाइसेंस की

फोटोटेट प्रति, यदि अवधि बढ़ाने की मूल आयात लाइसेंस की वैधि अवधि से आगे है, और बैंक से एक पत्र जिसमें जहाँ आवश्यक है, बैंक गारंटी की वैधता बढ़ाने का पत्र संलग्न होना चाहिए।

10. यदि प्राधिकार की वैधता बढ़ाने का मनुरोध प्राधिकार पत्र की वैध तारीख से छः महीने की अवधि के अन्वर प्राप्त नहीं होता है तो प्राधिकार पत्र में अनुपयुक्त व्यक्ताया राशि को बृद्धाने किया गया माना जाएगा और प्राधिकार पत्र स्वतः समाप्त हुआ माना जाएगा।

11. मूल परकारम्य पोत और ग्रन्थ दस्तावेज निरपेक्ष तीर पर आस्ट्रियाई राष्ट्रीय बैंक द्वारा भारत में सम्बन्धित आयातक के बैंक को भेजे जाने जो इन दस्तावेजों के परकारम्य मेट सम्बन्धित आयातक को यह सुनिश्चित कर लेने के बाद कि आयातक ने निम्नलिखित को जमा करा दिया है, रिकाज करेगा:—

(1) मुख्य नियंत्रक आयात-नियांत्रित कार्यालय की सार्वजनिक सूचना में

113-आई टी सी (पी एन)/88-91 विनांक 6-4-89 में यथानिवारित तारीख में परिवालित की जाने वाली मुद्रा को मौजूदा मिनी-ज्ञूनी दर से आस्ट्रियाई संभरक को आस्ट्रियाई शिल्पियों में भुगतान किये गये रुपये के समकक्ष अधिकार द्वारा मुख्य नियंत्रक आयात-नियांत्रित का कार्यालय की समयनामय पर सार्वजनिक सूचनाओं के द्वारा अधिसूचित किया जाए, अथवा भारतीय रिजर्व बैंक के मुद्रा नियंत्रण परिवर्तों के साथसम स्थिरसूचित हो।

(2) उपर्युक्त मर म. 1 (i) द्वारा जमा की जाने वाली अप्रेक्षित धनराशि पर समय-समय पर नियांत्रित दरों पर या सार्वजनिक सूचना म. 31 और 35 आई टी सी (पी एन)/83, विनांक क्रमशः 10-8-1983 और विनांक 26-8-1983 की शर्तों के अनुसार पहले 30 दिनों के लिए प्रति वर्ष 12% की दर से और 30 दिन से अधिक की अवधि के लिए 18% वार्षिक की दर से ब्याज परिवर्तित किया जाएगा। इसे भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी, दिल्ली अधिकार भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में आयातक द्वारा दिये के समकक्ष वास्तविक जमा की कारीब (इसमें दोनों दिन शामिल हैं) को आस्ट्रियाई राष्ट्रीय बैंक द्वारा संभरक को किए गए वास्तविक भुगतान की तारीख से गिना जाएगा।

(3) राज्य सरकार के विभागों और केन्द्रीय सरकार के विभागों द्वारा आस्ट्रियाई पूंजीगत माल क्षण, 1991 के अंतर्गत किये गये आयात के लिए ब्याज के भुगतान के उपलब्ध लागू नहीं हैं।

12. सम्बन्धित भारतीय बैंक की यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दोगों कि आयातक को आयात दस्तावेज सौंधने से पहले सरकारी धनों में देय धनराशि ठीक तरह जमा करा दी गई है। आयातक भी यह सुनिश्चित करेगा कि अपने बैंकों से दस्तावेज लेने से पहले देय धनराशि सरकारी धनों में ठीक तरह जमा करा दी गई है।

13. आयातक (सरकारी थ्रैश के उपकरण और केन्द्रीय/राज्य सरकार के विभाग सहित) को विदेशी मुद्रा के प्रधिकृत हीलरों के साथसम से ही अप्रेक्षित रुपया जमा कराना चाहिए और सार्वजनिक सूचना म. 184-आई टीसी (पी एन)/68 दिनांक 30-8-1969 में यथावधेनित उनसे लाइसेंस की विनियम नियंत्रण प्रति भी भिजवा दी जानी चाहिए। सम्बन्धित बैंक, भारतीय रिजर्व बैंक, बम्बई को अप्रेक्षित “एस” फार्म भेजेगा।

14. पैरा-11 में निर्दिष्ट धनराशि केवल भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी, नई दिल्ली अधिकार भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में केन्द्रीय सरकार के अंत में निम्न लेवा शीर्ष में जला की जाए:—

“ए—डिपार्टमेंट एंड एडवान्सेस—डिपोजिट फार विरिंग इन्स्ट्रुमेंट—8445—मिलिडिपोजिटम—डिपोजिट फार परवेजिज एट्सेट्रा आग्रा—परवेजिज एट्सेट्रा यन्डर कैपिटल गुड्स ब्रेडिट, 1991”

सार्वजनिक सूचना म. 74-आई.टी.सी. (पी एन)/74, विनांक 1-5-1974 में निर्दिष्ट चालान में धन राशि जमा कराई जाए।

15. भारतीय रिजर्व बैंक, नई विल्सी प्रश्नवा भारतीय स्टेट बैंक तो सहजारी दिल्ली के रखी थी आत्म की प्रति प्रथम भारतीय स्टेट बैंक, तो सहजारी दिल्ली के नाम डिस्ट्रिक्ट इन्फ्रारेज के सम्बन्ध में सुन्नत आयातक के बैंक द्वारा सहजायता लेखा परीक्षा नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग वित्त संबंधित, जनपय भवन, पांचवा तल, थी विंग, नई विल्सी - 1 को भेजो जाए। इसके साथ एक अंतर्णाल पत्र मेजा जाए जिसमें आस्ट्रियाई राष्ट्रीय बैंक से प्राप्त सूचना टिप्पणी, सांख्यिक सं., विदेशी गुदा को राशि जिसमें ह पदा जमा किया गया है, आस्ट्रियाई संभरक का भुगतान की तारीख और व्याज की रकम का उल्लेख किया गया हो।

16. लाइसेंस के अन्तर्गत आयात पूरा करने और सरकारी खाते में आयातक के बैंकरों द्वारा सभी देव धनराशि जमा कराये जाने के बाद, प्राप्त हुए आयात और जमा किए गए रुपये के बैंकर सहजायता लेखा परीक्षा नियंत्रक, वित्त संबंधित, आर्थिक कार्य विभाग, जनपय भवन, पांचवा तल थी-विंग, नई दिल्ली-110001 को भेजे जाएं।

17. यह बात ध्यान में रखी जाए कि भारत सरकार किसी भी विवाद को जिम्मेदारी, यदि कोई हो, जो लाइसेंस द्वारा और संभरक के बीच अत्यन्त हो राकते हों, नहीं लेनी। भुगतान लेने से पूर्व संभरक द्वारा पूरी की जाने वाली शर्त आयातक द्वारा स्पष्ट सौर पर बताई दी जानी चाहिए। यदि आवश्यक हो तो विवादों के निपटान से सम्बन्धित उपचारों को संविदा में ही शामिल कर लिया जाए।

18. लाइसेंसधारी आयात लाइसेंस से सम्बन्धित प्रथम इसमें उत्पन्न किसी अधिका सभी मामलों के सम्बन्ध में भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किये गये किन्तु निवेशों, अनुवेशों अथवा आवेशों का पालन करेगा और अस्ट्रियाई पूँजीगत ज्ञान ऐंडिट, 1991 के अन्तर्गत सभी बचत-बहुताओं को निकायेगा।

19. उपर्युक्त घोषणा में निर्धारित की गई शर्तों के प्रतिक्रिया का उल्लंघन करने पर आयात-नियंत्रित (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उत्तिष्ठत कार्रवाई की जाएगी।

उपायन्ध-I (तीन प्रतिवेदी में)

आस्ट्रियाई पूँजीगत माल अध्य, 1991 के अन्तर्गत प्राधिकार पत्र प्रशान्त करने के लिए प्रार्थना पत्र ।

(क) भारतीय आयातक और या परियोजना प्राधिकारी, जहां आवश्यक हो, का नाम और पता ।

(ख) संभरक का नाम और पता ।

(ग) (1) आयात लाइसेंस की सं. और तारीख ।

(2) मूल्य ।

(3) आयात किए जाने वाले माल का संक्षिप्त विवरण ।

(घ) (1) भारत में आयातक का बैंक जो निजी खेत के आयातों के मामले में वह बैंक होगा जिसने बैंक गारंटी दी हो ।

(2) भारत में आयातक का बैंक जो आयातकों को पोत-परिवहन दस्तावेज रिलीज करने के पहले भारतीय आयात में रुपया जमा करने के लिए जिम्मेदार होगा ।

(इ) आस्ट्रियाई शिल्प में संविदा आवेदन का मूल्य ।

(च) सूपुर्वी पूरा होने की संभावित तारीख ।

(छ) भुगतान की शर्तें तथा सम्भावित तारीख जह सविदा के अन्तर्गत भुगतान किया जाना हो ।

(ज) क्या आधिक पोतजदान की भनुमति है का नियेष है ।

(झ) बोत-परिवहन दस्तावेजों को धिस्त्रूत मूची जैसे लक्षण विन, बीजक, ब्लूम प्रमाण पत्र प्राप्ति जिसमें आस्ट्रियाई राष्ट्रीय बैंक भुगतान से पहले

संभरकों से अपेक्षित प्रत्येक वस्तावेज की प्रतिवेदी की संख्या के साथ ही साथ भाँग सकता है ।

(अ) संविदा में शामिल भारतीय अधिकारी का कमीशन, बैंक कोई हो (वास्तविक राणि का उल्लेख करें) जिसे प्राधिकार पत्र जारी करते समय संविदा मूल्य में से घटा विधि जाएगा आयातकों द्वारा ऐसे कमीशन का भुगतान भारतीय रुपए मा सोधे अधिकतरीं को करना होगा ।

(ट) मूल्य जिसके लिए प्राधिकार पत्र प्रपेक्षित है ।

(ठ) बैंक गारंटी की संख्या, तारीख तथा मूल्य प्रवर्धि जब तक बहु वैध हो, का उल्लेख करें (केवल निजी खेत के आयातों के मामले में)

(झ) विशेष अनुदेश, यदि कोई हो ।

उपायन्ध-II

भारतीय बंध-पत्र

(आस्ट्रियाई पूँजीगत माल अध्य, 1991 के अन्तर्गत माल के आयात के लिए प्रक्रिया के अधीन बैंक द्वारा प्रस्तुत किया जाए)

सेवा में

भारत के राष्ट्रपति,

आस्ट्रियाई पूँजीगत माल अध्य, 1991 की शर्तों और निवेशों के अन्तर्गत मे (इसके बाद आयातक अध्य जाएगा) द्वारा के आयात के लिए आस्ट्रियाई शिल्पियों में भुगतान की अवस्था करने के लिए सहमति देते हुए भारत के राष्ट्रपति जिसे इसके बाद सरकार कहा जाएगा) को तथा उक्त करार के मद्दे आयातक के पक्ष में को जारी किए गए लाइसेंस से के अनुसरण में हम (बैंक) आयातक के अनुरोध पर एतद्वारा यह बचन देते हैं कि हम आस्ट्रियाई राष्ट्रीय बैंक द्वारा की गई आवश्यियों की राशि और मुख्य नियंत्रक आयातनियात की सार्वजनिक सूचना सं. 8—आईटीसी (पीएल)/76 दिनांक 17-01-1976 द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार या भारतीय रिजर्व बैंक नई विल्सी या भारतीय स्टेट बैंक, तीन हजारी विल्सी में सरकारी लेखे के नामे भुगतान संबंधित की प्राप्ति के बहुत तरीके से समाकलित विविध की बालू प्रिंटिंग दर पर बैंक को देव परिवर्तनीय रियायत तथा डक प्रभार जमा करने की व्यवस्था करेंगे जिसके उक्त ऐंडिट के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा यथा-विनियिक्षण उपर्युक्त लेखा शीर्षों के मद्दे सार्वजनिक सूचना सं. 31—आईटीसी (पीएल)/83 दिनांक 10-8-1983 तथा सं. 35—आईटीसी (पीएल)/83 दिनांक 25-8-83 में निर्धारित दरों पर प्रथम 30 दिनों के लिए 12% और जमा की वास्तविक तारीख से लेकर विवेशी संभरक की भुगतान की तारीख से अतिरिक्त अवधि (योनों दिनों को मिलाकर) तक 18% की दर से व्याज सहित जमा किया जाएगा ।

2. हम (बैंक) यह सी वचन देते हैं कि सरकार को ऐसे स्थान पर या ऐसे तरीके से जिसे सरकार समय-समय पर निवेशित करे आयातक द्वारा समय-समय पर भुगतान की जाने वाली तथा देव किसी ऐसी धनराशि जो इ. से अधिक न हो या उसका कोई भाग जो आयात द्वारा उस समय भुगतान करने पोर्य और देव हो, संभरक की भुगतान की तारीख से सरकारी खाते के बाराबर रुपया जमा करने की वास्तविक तारीख तक की प्रधिक अवधि (उपर्युक्त सार्वजनिक सूचना देखें) के लिए प्रति वर्ष 12% की दर से उस पर व्याज सहित भुगतान करने में कोई चूक होने पर हम उसकी अतिरूपि करेंगे और सरकार को सुरक्षित रखेंगे। आयातक द्वारा या उसकी ओर से उक्त भुगतान में तथा हमारे (बैंक) द्वारा सरकार

को भुगतान की जाने वाली राशि के संबंध में कोई चूक होने की स्थिति में सरकार का निर्णय अन्तिम होगा और उससे हम
(बैक) आवश्यक रहेंगे।

3. हम (बैक) इससे भी महगत है कि उपर्युक्त पैरा 1 में उल्लिखित विनियम की मिथित दर में परिवर्तन होने के फलस्वरूप सविवा के अंतर्गत आयात के मूल्य में बढ़ि होने या पूरी न हुई समुदायों के मूल्य में बढ़ि होने की स्थिति में इस गारंटी बंधनका की राशि को उस तारीख की स्थिति के अनुगार समायोजित किया जाएगा जब इस परिवर्तन के अनुपात में इसमें ड्रेन-फेर हो।

4. हम (बैक) इससे भी गहमत है कि यहाँ पर दी गई गारंटी उम्म प्रविधि के दौरान पूरी तरह से लागू रहेगी जो उक्त कारार/उक्त के कार्यनिपादन के लिए शैरी और यह उस समय तक लागू रहेगी जब तक कि इस गारंटी को अंतर्गत या बास्ते रक्कार को बेय सभी राशियों का पूर्णतया भुगतान न हो गया हो और इसके बाहे पूरे या पूछ न हो गए हों।

5. यहाँ दी गई गारंटी आयातक या (बैक) के विषयान में होने वाले किसी परिवर्तन से प्रभावी नहीं होगी भासा सरकार ऐसी किसी घननराशि या अदायगी यो जिसे एतद्वारा गुरुक्षित किया जाता हो की किसी समय और समय-समय पर स्थिति नकरने के लिए गारंटी की प्रभावित किए जिन्होंने ही पूर्ण स्वतंत्र होगी और (बैक) पूर्वोक्त मामलों या आयातक को उस समय थाएं गए कारणों या सरकार द्वारा उसके किसी अनुभूष पर कोई अन्य प्रमाण, कार्य या चूक के मंदर्भ में सरकार के किसी स्वेच्छापूर्ण कार्य से आयातक को या किसी मामले या ऐसी कोई भी वस्तु जो कानून के अंतर्गत प्रतिशुलियों में संबंधित हो, इस उपर्युक्त को छोड़कर अपने वायित्व से मुक्त नहीं रखा जाएगा जिसका प्रभाव (बैक) के ऐसे दायित्व पर पड़ेगा।

6. हम (बैक) सरकार की लिखित पूर्व-संहमति को छोड़कर इसकी चालू अवधि में इस गारंटी को मंसूब न करने का बचत देते हैं।

7. हम (बैक) एतद्वारा मार्केजिक सूचना म. 113-आईटीसी (पीएन) 88-91, दिनांक 6-1-89 तथा इसके आद समय-समय पर जारी होने वाले ऐसी अन्य मार्केजिक सूचनाओं के अनुगार सभी अविस्तरित धनराशि जमा करने का बचत देते हैं।

8. इसके अंतर्गत हमारे वायित्व तथा डाक गारंटी (बैक) रप्ते (व्याज तथा कमीशन तथा डाक प्रभार यदि कोई हो, तो कि गारंटीद्वारा राशि के प्रतिशत से अधिक हो, भहित) (बैक) के सीमित है और यह (महीना) 19 (बैक) (दिन तक लागू रहेगी। जब तक इस तारीख के 18 महीने के भीतर इस गारंटी के अंतर्गत नियित में दावे नहीं किए जाएंगे और जब तक इन वालों को लागू करने के लिए कोई कार्रवाई अन्य अठारह महीनों अवधि तक नहीं की जाती है उगके बाद इस गारंटी के अंतर्गत आने वाले सभी सरकारी अधिकार समात हो जाएंगे और उसके अंतर्गत सभी वायित्वों से हम मुक्त रहेंगे।

(बैक) के लिए (बैक) दिन द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से नथा के लिए स्वीकृत

नाम और पदनाम

हस्ताक्षर

*इस तारीख का निर्धारण उम्म तारीख में एक भाव जांड़कर किया जाएगा और जब तक कि मंभरकों को सभी भुगतान कर दिए जाने की संभावना हो।

दिप्पणी :— (1) स्टाम्प नेपर का मूल्य जिम पर भारतीय स्टाम्प अधित्यम की द्वारा 31 के अंतर्गत इस गारंटी को स्टाम्प समाहर्ता द्वारा निर्णीत किया जाना हो।

(2) बैक गारंटी की राशि का निर्धारण करने के लिए अपनाया जाने वाला विनियम वर वही होता चाहिए जैसा कि आयात लाइसेंस में दिया हो।

ग्रन्थन्ध-III

सख्ता

भारत सरकार

वार्षिक भवानालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक

प्रबन्धक

आस्ट्रियन नेशनल बैंक,

आटटो-वेगनर, ज्लाद्स 3,

वियना-IX (भार्मिंधा)

महोदय,

आस्ट्रियन पूजीगत माल अ० 1991 प्राप्तिकार पत्र सख्ता-----

हम -----के गंवंध में -----आस्ट्रियाई गिलिंग्स के लिए भैमसे -----द्वारा भैमसे -----को दिए गए आईर संघ्या-----दिनांक----- (प्रतिलिपि सलग है) की ओर ध्यान प्रारंभित करते हैं। हम एन्सुद्वारा आपको भैमसे -----को अधिक में अधिक आस्ट्रियन गिलिंग्स -----का भुगतान संलग्न विवरणी में उल्लिखित गतों के अनुसार करने के लिए प्रारंभित करते हैं। अनुरोध है कि भैमसे -----द्वारा प्रस्तुत किए गए शीजकों, जहाज-रानी और अन्य वस्ताविजों को ----- (बैक का नाम) को संघीय भेज दें।

2. उपर्युक्त पैरा प्राप्ति 1 में मंदर्भित राशि का पुनः भुगतान भारत सरकार और आस्ट्रियन संघीय सरकार के बीच 20 दिसम्बर, 1991 को हुए कगार के अनुज्ञादे 2 और 3 निर्धारित गतों के अनुसार भारत सरकार द्वारा किया जाएगा।

3. कृपया इस प्राप्तिकार पत्र के मध्ये किए गए भुगतान का व्याप्त भारत सरकार वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नियंत्रक संहायना लेखा और लेखा परीक्षा, अनपथ भवन, उद्योग मंजिल, यो विग, नई दिल्ली को भेजे जिनके साथ जहाज-रानी और अन्य निर्धारित वस्ताविजों की एक प्रति के माथ भुगतान को नामे डालने की सूचना भी दें।

4. यह प्राप्तिकार -----वर्ष के -----दिन तक वैध रहेगा।

भवदीय,

अवर सचिव, भारत सरकार

प्रनिनियि सूचना और आवश्यक कार्रवाई के लिए प्रेषित :-

1. भैमसे ----- (बैक) संदर्भित आयात, आयात लाइसेंस सख्ता -----दिनांक-----रुपए-----के अंतर्गत है।

यह आयात आपकी गारंटी मंड्या -----दिनांक-----रुपए -----के मंदर्भ में भी है। यह प्राप्तिकार पत्र प्रास्ट्रियन पूजीगत माल अ० 1991 के अंतर्गत आयात को आगित करने वाली लाइसेंसिंग गतों के सहृद जारी किया जाता है। कृपया उन लाइसेंसिंग गतों और मंदर्भित सार्वजनिक सूचनाओं/शाविरों आविकों देखें और आयात/विवेशी भुगतान के संबंध में उपर्युक्त कार्रवाई करें। इस संबंध में, निम्नलिखित आवश्यक वालों पर विशिष्टिं रूप से ध्यान आकर्षित किया जाता है :-

(1) जब भी संभवक को भूगतान किया जाए, तो कृपया ही शरकार के लेख में, उस भूगतान के बगवर लगें ये (संभवक को भूगतान की तारीख से लग विनियम की तिथि जली दरों प्राप्त तथा तर्यार करें), तथा गमयन-गमयन पर निर्धारित दरों पर व्याप्त सहित जमा करने की आवश्यकता है। सार्वजनिक सुवास 31-आई टी बी (पी एन)/83 विनाह 10-8-83 और स.

35-आई टी बी (पी एन)/83 विनाह 26-8-83 में निर्धारित व्याप्त भी वैमान दरें संभवक का भूगतान भी नारोद से प्रधान 30 दिनों के लिए 12 प्रतिशत हैं, और शेष दरों 24 दिनों के लिए 8 प्रतिशत हैं जिसमें जमा करने की तारीख भी आमिय है।

(2) इस प्राधिकारी पत्र के नक्त किए गए प्रत्येक प्रिंटरों भूगतान के लिए रुपया भूगतान या तो भागीदार रिजर्व बैंक, नई दिल्ली अथवा भारतीय स्टेट बैंक, नीरा इंडियन दिल्ली की किया जाता है जिसके साथ सार्वजनिक सुवास गं. 74-आई टी बी (पी एन)/74 विनाह 31-9-71 में निर्धारित रूप में एक सुलग में चालान प्रयोग में लाया जाए।

(3) गंभरक को किए गए प्रत्येक भूगतान के लिए भल दस्तावेज़ (आणियक बीजा, बैंक गारंटीपॉर्ट, निवासन गारंटीपॉर्ट, पोस्ट-दान दस्तावेजों के लेन-देन ग्राहकों गेट चार्ट) आयातक कों केवल तब तिए जाएं जबकि गशकार को देव धया उपर्युक्त राशियों का भूगतान कर दिया गया हो।

(4) विदेशी मेंद्रा के प्रायिकृत व्यापारी के स्वप में आपके बैंक के कर्तव्य और वायिक्स भारतीय रिजर्व बैंक के विभिन्न गं. बी. परियों में उल्लिखित हैं। इस संबंध में विविध सदर्भ के लिए परिवर्तन स. 22 दिनांक 18-6-1977 को और ध्यान आवर्धित किया जाया है।

(5) कृपया इस पत्र की पावनी अधीक्षणात्मकी तथा नियंत्रक, सहायता लेखा और लेखा परीक्षा, वित्त भवनाय, आर्थिक कार्य विभाग, जनपथ, 5वीं मंजिल, बी विंग, नई दिल्ली-110001 को भेजें।

2. मैसर्ज-----। यह उनके अविदेन/पत्र संख्या-----दिनांक-----और गविदा/का प्रत्येक संख्या-----के संदर्भ में है। उनका ध्यान अविशिष्ट क्षय से ऊपर (1) में उल्लिखित अनुदेशों को ओर आर्किव किया जाता है। यह कृपया नोट कर ले कि आयातक पर डा. बाल को भूमिकृत करने का उत्तराधिकृत है कि सरकार की बकाया धनराशि सही, पूर्णतया और भीत्रता से चुकाई गई है।

3. नियंत्रक, सहायता लेखा और लेखा परीक्षा, वित्त भवनाय, आर्थिक कार्य विभाग, जनपथ भवन, 5वीं मंजिल, बी विंग, नई दिल्ली-110001 (बैंक) द्वारा जारी भूल थंक गारंटी ग्राहक-----दिनांक-----रूपए-----के लिए, आपात वाइमें सम्भाली-----दिनांक-----रूपए-----को एक प्रति* (मतानप्र) द्वारा जारी विवेणी मुद्रा निमुक्ति भजी गयी सम्भाली-----दिनांक-----रूपए-----की प्रति और डेका/क्रय आर्देण सम्भाली-----का एक सेट इस पत्र के साथ संलग्न है।

4. -----

5. -----

उल्लेख, प्राधिकारी पत्र के नड़त आपातों/भूगतानों के प्रति भी जाने पर नियंत्रक भवनप्राप्त, लेखा और लेखा परीक्षा, वित्त भवनाय (आर्थिक कार्य विभाग) तो दी जाए वारंटी ग्राहकों।

1. आपातक/वायरेंसधारी जा नाम जार सुरा पता

2. आपात नामों से, नारीख और मृत्यु

3. दी गई जारंटी में संख्या, नारीख और मृत्यु (निजों श्रेव के आयात के भागों में)

4. वित्त भवनाय द्वारा जारी रिपोर्ट या, प्राधिकारी पत्र के विवरण

5. (क) प्राधिकारी पत्र को भूमा और तारीख

(ग) प्राधिकारी पत्र को गण (प्रास्त्रियन निलिंग में)

6. किए गए आयात का विवरण और जमा किए गए जाए की जनराशि।

(क) गंभरक (गंभरों) का नाम

(ख) गंभर (क) पर उल्लिखित भूमरक (गंभरक) को पास्टरिफ्लू में किए गए भूगतान की आस्ट्रियत गिरी तानु की धनराशि

(ग) आस्ट्रियत नियन्त्रण रैक द्वारा गंभरक के लिए किए गए भूगतान की जारीख

(घ) साधा नियंत्रण वी पनराशि--

(1) संभवक को आस्ट्रियत शिलिंग=रुपये-----की दर से किए गए भूगतान के पास्ट्रियन नियन्त्रण घनराशि का जनराशि रापा-----

(2) भूगतान किए गया व्याप्ति

(3) -----रुपये-----तक को अवधि जिमके लिए जान की लिया गया है।

(4) कृपु जमा की गई धनराशि

(5) धन जमा करने की तारीख और स्थान।

(6) यजमा जावानी भूमा और तारीख (भवन को जाने हैं)। परि यजमा जावान पहले ही भेजा जा चुका है तो वह पत्र मूल्या और तारीख जिमके साथ इसे भेजा गया था, उसका उल्लेख करें।

(7) परि ऊपर उल्लिखित (प)(1) में लगा डिवीजिट डिमांड ड्राफ्ट गे किया गया है तो उगली मंध्या, तारीख और धनराशि तथा भारतीय आयातक के पत्र का व्योर जिमके साथ इसे भेजा गया था।

7. प्रत्येक प्राधिकारी के मध्ये ऊपरों में साई गई धनराशि और शेष प्राप्तियों में न लाई गई वकाया धनराशि (प्रास्त्रियन निलिंगों में)।

8. एक प्रमाण पत्र जिसमें यह बताया गया हो कि ऊपर 6 में निर्दिष्ट बकाया धनराशि यों ऊपरों में नहीं लाया गया है और इसके लिए कोई पोनराशि नहीं किया गया है और इसे साधा समझा जाए।

MINISTRY OF COMMERCE

(Import Trade Control)

PUBLIC NOTICE NO. 282-ITC(PN)/90—93

New Delhi, the 20th March, 1992

Subject:—Licensing conditions for licensing Private Sector and Public Sector imports under the Austrian Capital Goods Credit, 1991 of AST 120,000,000 regarding.

File No. IPC/23(87)/90—93.—The terms and conditions for licensing Private Sector and Public Sector imports under the Austrian Capital Goods Credit, 1991 for AST 120,000,000, as signed between Government of India and Government of Austria on 20-12-91, are contained in the Appendix to this Public Notice and are notified for information.

D. R. MEHTA, Chief Controller of Imports and Exports.

APPENDIX TO THE MINISTRY OF COMMERCE
PUBLIC NOTICE NO. 282-ITC(PN)/90-93, dated 20-3-92

Conditions for licensing Private Sector and Public Sector Imports under the Austrian Capital Goods Credit, 1991.

1. The Licence will be issued with a validity period of twelve months but firm order on CIF/C&F basis must be placed on the Austrian suppliers and copies of the same furnished to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi within four months from the date of issue of the Import Licence. The terms firm order means a purchase order placed by the Indian Licensee on the Austrian supplier duly supported by the confirmation from the later or a purchase contract duly signed by both the Indian importer and the foreign supplier. If firm order cannot be finalised within the time limit of four month, the Licensee should submit to the Chief Controller of Imports and Exports (CCI&E) or other licensing authorities, as the case may be, a proposal seeking an extension in ordering period along with justification and explanation as to why ordering could not be completed within the initial validity period. Such requests for extension on the ordering period will be considered on merits in each case by the licensing authorities who may grant extension upto a further maximum period of 2 months. If, however, extension is sought beyond 6 (six) months from the date of issue of Import Licence such a proposal should invariably be referred by the Licensing authorities to the Department of Economic Affairs (EEC-IV Section) of Ministry of Finance, New Delhi. The Licence codes "S" and "AA" should be indicated in the first and second suffix after the licence number. The correct licence code should be used in all the shipping documents as well as in the "S" form required to be furnished to the Indian Bank at the time of rupee deposits.

2. Only capital goods of Austrian origin are eligible for being financed under this Credit.

3. The Licence will not be valid for remittance from India. Payments to the Austrian suppliers can be made only in accordance with the procedure set forth in the paragraphs 6—10 below.

4. The contract of supply between the Indian importer and the Austrian supplier should provide for the import being financed out of the Austrian Capital Goods Credit, 1991 in accordance with the procedure set forth in these licensing conditions, and should also be made subject to approval by the Government of India. Importers should take special care to inform the suppliers about this condition and also incorporate a clause to this effect in the supply contract. Moreover, approved orders should not be cancelled without prior concurrence of the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

5. The value of the contract should be expressed in Austrian Shillings only. The contract should normally provide for cash payment out of the Austrian Capital Goods Credit, 1991 on presentation of shipping documents. For any customary performance guarantee, the suppliers could be asked to furnish a bank guarantee.

6. Immediately after the contract is concluded, the importer should furnish 5 (five) photostat or certified copies of the contract/supply order accompanied by two photostat copies of the Import Licence if any or foreign exchange sanction to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (EEC-IV Section). The importer is also required to furnish the information as per details given in Annexure-I (in triplicate).

7. In the case of contracts concluded by companies and institutions other than Public Sector Undertakings and Government Departments for imports from Austria the importer should furnish a bank guarantee from an approved Scheduled bank, in the form prescribed (Annexure-II) duly adjudicated by the Collector of Stamps. The Bank Guarantee should be for an amount representing the rupee equivalent of the amount of contract for which Letter of Authority is sought plus interest and other charges. The rate of conversion shall be at the exchange rate notified by the Department of Revenue as prevailing on the date of issue of Import Licence or that indicated on the Import Licence.

8. If the contract documents/supply order, the request for issue of Letter of Authorisation, the Import Licence and bank guarantee, where necessary, are found to be in order, the Department of Economic Affairs, will forward a copy of the contract to the Austrian National Bank together with a Letter of Authority (in the format given in Annexure-III) authorising payment to the supplier, against the shipping documents.

9. In case the shipment/payment to the supplier are not completed within the validity period of the Letter of Authority, the importer should approach, the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (EEC-IV Section) for suitable extension of the Letter of Authority well before the expiry period of the Letter of Authority. Such a request should be accompanied by a photostat copy of the revaluated Import Licence, if the period of extension sought for is beyond the validity of the original Import Licence, and a letter from the Bank extending the validity of Bank Guarantee, where necessary.

10. If the request for extension in the period of validity of the Letter of Authority is not received within a period of six months from the validity date of the Letter of Authority, the unutilized balance in the Letter of Authority will be deemed to have been surrendered and the Letter of Authority will stand lapsed automatically.

11. The original negotiable shipping and other documents will invariably be forwarded by the Austrian National Bank to the concerned importer's bank in India who should release these negotiable set of documents to the importer concerned only after ensuring that the importer has deposited:—

- (i) the rupee equivalent of the payments made to the Austrian supplier in Austrian Shillings at the prevailing composite rate of exchange to be calculated in the manner as prescribed in Chief Controller of Imports & Exports Public Notice No. 113-ITC(PN)/88—91 dated 6th April, 1989 or as may be notified by the Government from time to time through Public Notices of the CCI&E or through exchange Control Circulars of the Reserve Bank of India.
- (ii) interest calculated at the rate of 12 per cent per annum for the first 30 days and at 18 per cent for the period in excess of 30 days in terms of Public Notice No. 31 & 35-ITC(PN)/83 dated 10th August, 1983 and 26th August, 1983 respectively or at the rates as may be notified from time to time on the amount required to be deposited vide item No. (i) above, reckoned from the date of actual payment to the supplier by the Austrian National Bank to the date of actual deposit (both days inclusive) of the rupee equivalent by the importer in the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi or Reserve Bank of India, New Delhi.
- (iii) The provisions for payment of interest are not applicable to imports made under the Austrian Capital Goods Credit, 1991 by State Government Departments and Central Government Departments.

12. It shall be the responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government Account before the import documents are handed over to the importer. The importer should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their bankers.

13. The importer (including Public Sector Undertakings and Departments of the Central/State Government) should make the requisite rupee deposit only through Authorised Dealers in Foreign Exchange and also get the Exchange Control Copy of the licence endorsed by them as required in Public Notice No. 184-ITC(PN)/68 dated 30th August, 1989. The requisite "S" form will be sent by the concerned bank to the Reserve Bank of India, Bombay.

14. The moneys specified in para 11 should be deposited only with the State Bank of India, Tis Hazari, New Delhi or Reserve Bank of India, New Delhi to the credit of the Central Government account under the Head of Account:—

"A—Deposits and Advances—Deposit not bearing interest—8443—Civil Deposits—Deposits for purchases etc. abroad—purchases etc. under Austrian Capital Goods Credit, 1991."

The deposit should be made in the challan form prescribed in Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31st May, 1974.

15. One copy of the receipt challan from the Reserve Bank of India, New Delhi or the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi or intimation regarding the submission of Demand Draft to the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi should be sent by importer's Bank to the Controller of Aid Accounts and Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, Janpath Bhawan, 5th Floor, B-Wing, New Delhi-1 along with a forwarding letter giving full details of the advice Notes received from the Austrian National Bank, Letter of Authority No., amount of foreign currency to which rupee deposit is made, date of payment to the Austrian supplier and amount of interest.

16. After the imports under a licence are completed and the importer's bankers have deposited into Government Account all the amount due, details of the import received and the rupee deposits made should be furnished to the Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Janpath Bhawan, 5th Floor, B-Wing, New Delhi-110001.

17. It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for disputes, if any, that may arise between the licensee and the supplier, the conditions to be fulfilled by the supplier before the payment could be effected should be spelt out by the importer. If necessary, provisions dealing with the settlement of disputes may be included in the contract itself.

18. The licensee shall promptly comply with any directions, instructions, or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under the Austrian Capital Goods Credit, 1991.

19. Any breach or violation of conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

ANNEXURE I

(In triplicate)

Application for the grant of Letter of Authority under the Austrian Capital Goods Credit, 1991

(a) Name and address of the Indian Importer and/or Project Authority where necessary.

(b) Name and address of the supplier.

(c) (i) No. and date of the import licence.

(ii) Value.

(iii) Short description of goods to be imported.

(d)(i) The Importer's Bank in India (which will be the Bank that has furnished the Bank Guarantee in case of Private Sector Imports).

(ii) The Importer's Bank in India (which will be responsible to make rupee deposits in Government account before releasing shipping documents to the importer).

(e) Value of the contract order in Austrian Schillings.

(f) Expected date of completion of deliveries.

(g) Payment terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.

(h) Whether partial shipments are permitted/prohibited.

(i) Detailed list of shipping documents, like Bill of Lading, Invoices, Certificates of Origin, etc. which the Austrian National Bank should demand from the suppliers before making payment, together with the number of copies of each documents required.

(j) Indian Agent's Commission, if any, included in the contract (exact amount to be indicated), which will have to be deducted from the contract value while issuing a Letter of Authority. Such commission will be payable by the importers direct to the agents in Indian Rupees.

(k) Value for which the Letter of Authority is required.

(l) Number, date and value of Bank Guarantee, indicating the period upto which it is valid (in case of private sector imports only).

(m) Special Instructions, if any.....

ANNEXURE II

GUARANTEE BOND

(To be furnished by Banks under the procedure for import of goods under the Austrian Capital Goods Credit, 1991)

To

The President of India,

In consideration of the President of India (hereinafter called 'the Government') having agreed to arrange for payment in Austrian Schillings for the import of by (hereinafter called the importer) under the terms and conditions of Austrian Capital Goods Credit, 1991 and in pursuance of Import Licence No. issued on in favour of the importer against the above Agreement, we (Bank) at the request of the import hereby undertake to arrange to deposit the amounts of the disbursements made by the Austrian National Bank and commission and postal charges payable to the Bank converted at the prevailing composite rate of exchange calculated as per instructions issued in CCI&E's Public Notice No. 8-ITC (PN)/76 dated 17-1-1976 or as notified by the Government in the matter from time to time within ten days of the receipt of advice of payment for credit to the Government account with the Reserve Bank of India, New Delhi or the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi in the manner and against appropriate Heads of Accounts as indicated by Government of India under the said Credit together with interest at the rates prescribed in the Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-1983 and No. 35-ITC (PN)/85 dated 25-08-1983, i.e., at the rate of 12 per cent for the first 30 days and 18 per cent for the period in excess of from the date of payment to foreign supplier to the date of actual deposits (both days inclusive).

2. We, the (Bank) also undertake to indemnify and keep indemnified the Government against any default in payment by the importer of any sum that may be due and payable from time to time by the importer to the Government at such place and in such manner as the Government may from time to time direct such sum not exceeding Rs. or any part thereof for the time being due and payable by the importer together with

interest thereon at the rate of 1% per annum for the period in excess thereof (vide Public Notice ibid) accrued from the date of payment to the supplier to the date of actual deposit of the rupee equivalent to Government account. The decision of the Government as to any default in the said payment by the importer or on his part and in regard to the amount payable to the Government by us (Bank), shall be final and binding on us (Bank).

3. We, (Bank) further agree that in case of increase in the value of import or increase in the value of unfulfilled deliveries under the contract as a result of change in the composite rate of exchange mentioned in para 1 above, the amount of this guarantee bond will be adjusted as on the date when the change takes place in proportion to this change.

4. We, (Bank) further agree that the guarantee herein contained shall remain in full force and effect during period that would be taken for the performance of the said Agreement/Contract and that it shall continue to be enforceable till all the dues to the Government under or by virtue of this guarantee have been fully paid and its claims satisfied or discharged.

5. The Guarantee herein contained shall not be affected by any change in the constitution of the importer or the (Bank) and the Government shall have the fullest liberty without effecting the guarantee to postpone for any time and from time to time any of the amounts the payment whereof is intended to be hereby secured and the (Bank), shall not be released from its liability under the guarantee by any exercises by the Government of the liberty with reference to the matters aforesaid or by reasons of time being given to the importer or any other forbearance, act or omission on the part of the Government of any indulgence by the Government, to the importer or by any matter or thing whatsoever which under the law relating to treaties shall, but for this provision, have the effect of so releasing the (Bank) its such liability.

6. We, (Bank) undertake not to revoke this guarantee during its currency except with previous consent of the Government in writing.

7. We, (Bank) hereby undertake to make additional deposits in terms of Public Notice No. 113-ITC(PN)/88-91 dated 6-4-1989 and such other Public Notices that may be issued from time to time hereafter.

8. Our liability under this and postal guarantee is restricted to Rs. (plus interest and commission and postal charges, if any not expected to exceed one per cent of the guaranteed amount) and this guarantee shall remain in force till the day* of (month), 19 Unless claims under this guarantee are made in writing within 18 months of this date and unless a suit or action to enforce these claims is commenced within another eighteen months thereafter, i.e. upto all Government's rights under this guarantee shall be forfeited and we shall be relieved and discharged from all liability thereunder.

Dated, the day of
for (Bank)

Accepted for and on behalf of the President of India by
Name and Designation
Signature

*This date shall be arrived at by adding one month to the date by which all payments to the suppliers are expected to be finalised.

NOTE :

- (i) The value of the stamped paper on which this guarantee is to be adjudicated by the Collector of Stamps, under Section 31 of the Indian Stamps Act.
- (ii) The rate of exchange to be adopted for working out the amount of the Bank Guarantee should be the same as indicated in the Import Licence.

ANNEXURE III
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF FINANCE
(Dept. of Economic Affairs)
New Delhi, the

The Manager,
Austrian National Bank,
Otto-Wagner Platz 3,
Vienna-IX (Austria).

Dear Sir,

Austrian Capital Goods Credit, 1991 Letter of Authority No.....

We are to invite a reference to the Order No..... dated the (Copy enclosed) placed by M/s..... on M/s for Austrian Schillings..... on account of we hereby authorise you to pay to M/s a sum not exceeding Austrian Schillings (Austrian Schillings) in accordance with the terms and conditions stipulated in the enclosed statement. It is requested that the invoices, shipping and other documents presented by M/s be despatched direct to the (Bank).

2. The amount referred to in paragraph 1 above will be repaid by the Government of India in accordance with the terms and conditions laid down in Articles 2 & 3 of the Agreements dated 20th December, 1991 between the Government of India and the Austrian Federal Government.

3. The details of payments made against this Letter of Authority may kindly be intimated to the Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Office of the Controller of Aid Accounts & Audit, Janpath Bhawan, 5th Floor, B-Wing, New Delhi-110001 to whom the debit advices alongwith a copy of the shipping and other stipulated documents should be sent.

4. This Authority will remain valid upto day of , 19

Yours faithfully,

Under Secretary to the Government of India.

Copy forwarded for information and necessary action to :—

1. M/s (Bank) The import under reference is covered by Import Licence No..... dated for Rs.

This has also reference to your Guarantee No..... dated for Rs. This letter of Authority is issued under the Licensing conditions governing the imports under Austrian Capital Goods Credit, 1991. Please refer to those licensing conditions and connected Public Notices/Order etc. and take appropriate action concerning the import/foreign payments. In this connection, specific attention is invited to the following requirements :—

- (i) As and when each payment is made to the supplier, please arrange to deposit to Government account, the rupee equivalent of that payment (worked out at the composite rate of exchange, applicable for the date of payment to the supplier), together with interest at rates prescribed from time to time. The present rates of interest as prescribed in Public Notices No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-08-1983 and No. 35-ITC(PN)/83 dated 26-08-1983 are 12% for the first 30 days commencing from the date of payment to the supplier, and for the balance number of days 18% upto and including the date of deposit
- (ii) For each foreign disbursement made under this letter of Authority, the rupee deposit is to be made either at the Reserve Bank of India, New Delhi or State Bank of India, Tis Hazari, Delhi using a separate challan in the form prescribed in Public Notice No. 74-ITC(PN)/94 dated 31-05-1974

- (iii) For each payment made to the supplier, the original documents (commercial invoice, bank guarantees, performance guarantees, negotiable sets of shipping documents etc.) should be released to the importer only after settling the Government dues as indicated above.
- (iv) As authorised Dealer in Foreign Exchange, your Bank's duties and responsibilities are prescribed in various A. D. Circulars of the Reserve Bank of India, specific reference in this regard is invited to Circular No. 22 dated 18-06-1977.
- (v) Please acknowledge receipt of this communication to the undersigned as well as to the Controller of Aid, Accounts & Audit, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Janpath Bhawan, 5th Floor, B-Wing, New Delhi-110001.
2. M/s..... This has reference to their application/letter No..... dated..... and contract/purchase order No..... Their specific attention is invited to the instructions contained in (1) above. It may please be noted that the importer is also responsible for ensuring that the Government dues are settled correctly, completely and promptly.
3. Controller of Aid, Accounts & Audit, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Janpath Bhawan, 5th Floor, B-Wing, New Delhi-110001. The Bank Guarantee No..... dated..... for Rs..... issued by (Bank) in original, one copy of Import Licence No..... dated..... for Rs..... one copy of foreign exchange release sanction No..... dated..... for Rs..... issued by (Ministry) and one set of contract/purchase order No..... are enclosed herewith.
4.
5.
- Under Secretary to the Govt. of India.
- ANNEXURE-IV**
- Report to be furnished to the Controller of Aid, Accounts & Audit, Ministry of Finance (DEA) on completion of the Imports/payments under each Letter of Authority
1. Name and full address of the importer/Licensee.
 2. The Import Licence Number, date and value.
 3. Number, date and amount of the guarantee furnished (in case of private sector imports).
 4. Particulars of the Letter of Authority issued by the Ministry of Finance.
 5. (a) Number and date of the Letter of Authority.
(b) Amount of the Letter of Authority (in Austrian Schillings).
 6. Particulars of imports effected and rupee deposits made :—
(a) Name of Supplier(s).
(b) Amount in Austrian Schillings actually paid to the supplier(s) mentioned at (a) above.....
(c) Date of payment to the supplier by the Austrian National Bank.
(d) Amount of rupee deposit :—
(i) Rupee equivalent of Austrian Schillings amount paid to the supplier @ 1 Aus. Sch. = Rs.....
(ii) Interest paid.
(iii) Period for which the interest has been calculated from.....to.....
(iv) Total deposit made.
(v) Date and Place of deposit.
(vi) Number and date of Treasury Challan (to be enclosed). If the Treasury Challan has already been sent, reference to the letter number and date with which it was sent, may be quoted.
(vii) If the rupee deposit mentioned in (d)(iv) above was made by means of Demand Draft, the number, date and amount of the draft and particulars of Indian importer's letter with which it was sent.
 7. Amount utilised and balance unutilised (in Austrian Schillings) against each Letter of Authority.
 8. A certificate that the balance indicated in 6 above has not been utilised and no shipment has been made thereof and the same may be treated as lapsed.

(Authorized Signatures)

